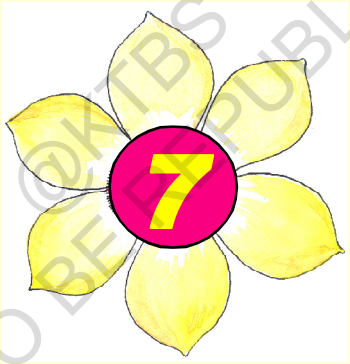
कर्नाटक सरकार

हिंदी वल्लरी

Third Language Hindi

तृतीय भाषा हिंदी



© KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED

सातवीं कक्षा

भाग - 2

Karnataka Text Book Society (R.)
6th Cross, Malleshwaram,
Bengaluru - 560 003.

अनुक्रमणिका

U3C5E7

क्र.सं.	पाठ	विधा	पृ.सं.
9.	दिल्ली	ऐतिहासिक स्थल-परिचय	1
10.	मेरी अभिलाषा है	कविता	9
11.	समझदार राजू	लघुकथा	13
12.	मित्र के नाम पत्र	पत्र-लेखन	21
13.	बोल उठी बिटिया	कविता	26
14.	अक्ल चली, बला टली	कहानी	30
15.	गिनती (71-100)		38
16.	बूँद-बूँद से सागर	कविता	41
17.	सिकंदर और पुरूरवा	एकांकी	46
	पूरक वाचन		53

© @KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ
9



दिल्ली

B9Z6M9

भारत की राजधानी दिल्ली के विभिन्न स्थानों का परिचय कराना इस पाठ का उद्देश्य है।

भारत हमारा देश है। दिल्ली इसकी राजधानी है। इस विशाल नगर में हम पुरानी और नयी सभ्यताओं की झलक पा सकते हैं।



लाल किला

दिल्ली का लाल किला बहुत प्रसिद्ध है। इसके दीवाने-आम और दीवाने - खास देखने लायक हैं। दीवाने - आम में साठ सुंदर खंभे हैं, जो लाल पत्थर से बने हैं। दीवाने - खास संगमरमर से बना है। इसकी भीतरी दीवारों की नक्काशी बहुत बढ़िया है।

लाल किले के पास ही जामा मसजिद है। यह बहुत बड़ी मसजिद है। यह मुगल बादशाहों की शान-शौकत की यादगार है।



कुतुबमीनार

दिल्ली से थोड़ी दूर पर कुतुबमीनार है। आसमान से बातें करनेवाली यह मीनार बहुत सुंदर है। यह दो सौ अड़तीस फुट ऊँची है।



संसद भवन

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

नयी दिल्ली की शोभा अनोखी है। भारत सरकार का सचिवालय यहीं पर है। संसद भवन बड़ा रमणीय है। यह गोलाकार सदन संसार में निराला है। लोक-सभा, राज्य-सभा के अधिवेशन इसी सदन में होते हैं।



राष्ट्रपति भवन

राष्ट्रपति भवन भारत के राष्ट्रपति का निवास स्थान है। राष्ट्रपति देश विदेशों के अपने अतिथियों का आदर-सत्कार यहीं पर करते हैं। राष्ट्रपति का कार्यालय भी इसी भवन में है। इस भवन के एक और भाग में वस्तु संग्रहालय भी है। उसमें कई अमूल्य प्राचीन वस्तुओं का संग्रह है।

दिल्ली में इसके अलावा राजघाट, शान्तिवन, जन्तर-मन्तर, कनॉटप्लेस, बिर्ला भवन, लक्ष्मीनारायण का मंदिर आदि अनेक दर्शनीय स्थान हैं।

* * *

NOT TO BE REPUBLISHED

शब्दार्थ :

झलक - झाँकी, दीवाने-आम - आम दरबार (आम आदमी के राजा से भेंट करने की जगह), दीवाने-खास - खास दरबार, नक्काशी - चित्रकारी, शान-शौकत - वैभव, यादगार-स्मारक, अनोखी - अद्‌भुत, निराला - सुंदर, अद्‌भुत; अधिवेशन - सम्मेलन।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखो:

1) भारत की राजधानी का नाम क्या है ?

2) दीवाने-आम किससे बना है ?

3) जामा मसजिद किसके पास है ?

4) नयी दिल्ली की शोभा कैसी है ?

5) भारत सरकार का सचिवालय कहाँ पर है ?

II. इन प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखो :

1) लाल किले के बारे में लिखो।

2) कुतुबमीनार के बारे में तुम क्या जानते हो?

3) संसद के बारे में लिखो।

4) राष्ट्रपति भवन क्यों निराला है?

5) दिल्ली में देखने लायक स्थान कौन-कौन से हैं ?

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

III. अन्य वचन रूप लिखो :

1) किला _____ 2) याद _____

3) बात _____ 4) महीना _____

IV. विलोम शब्द लिखो :

1) नया x _____ 2) भीतर x _____

3) पास x _____ 4) चढ़ना x _____

V. पर्यायवाची शब्द जानो:

1) नगर-शहर 2) मशहूर-प्रसिद्ध

3) आसमान-आकाश 4) मनोहर-सुंदर

VI. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद करो :

1) लाल किले के पास जामा मसजिद है।

_____

2) दिल्ली में कुतुबमीनार है।

_____

3) दिल्ली भारत की राजधानी है।

_____

4) लोक-सभा और राज्य-सभा संसद के दो सदन हैं।

_____

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

VII. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो :

1) लाल किला _____ में है।
(चेन्नै, मुंबई, दिल्ली)

2) कुतुबमीनार _____ फुट ऊँची है।
(तीन सौ अड़तीस, दो सौ अड़तीस, चार सौ अड़तीस)

3) दीवाने-खास _____ से बना है।
(संगमरमर, ईंट, लोहा)

VIII. जोड़कर लिखो:

1)	विधानसौधा	हंपी	_____
2)	चामुंडी पहाड़	मैसूरु	_____
3)	कमल महल	विजयपुरा	_____
4)	गोलगुम्बज़	बेंगलूरु	_____

IX. नमूने के अनुसार वर्तनी शुद्ध करो:

1) **राजाधनी → राजधानी**

2) बारत → _____

3) कर्यलय → _____

4) सारकार → _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

X. इन वर्णों को चुनकर शब्द बनाओ :

आ	दु	पा	व	न	क
म	का	न	ग	र	प
व	न	श	र	म	डा
शे	दी	रो	टी	ब	न
र	दी	सा	ग	र	ल

1) आम 6) ____

2) ____ 7) ____

3) ____ 8) ____

4) ____ 9) ____

5) ____ 10) ____

XI. पढ़ो, समझो और उन्हीं शब्दों को लिखो :

1) दिल्ली दिल्ली

2) संगमरमर _____

3) उद्यान _____

4) प्रशंसा _____

5) राष्ट्रपति _____

6) व्यवस्था _____

7) वस्तु संग्रहालय _____

8) सत्कार _____

9) शान्तिवन _____

10) दर्शनीय स्थान _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ से आगे -

* दिल्ली के समान भारत के अन्य ऐतिहासिक नगरों के बारे में जानकारी प्राप्त करो।
* दिल्ली के दर्शनीय स्थानों के चित्र देखकर पहचानो और उनके नाम लिखो:





_____ _____





_____ _____

@KTB REPUBLISH

पाठ
10



मेरी अभिलाषा है

M7D6H5

- द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

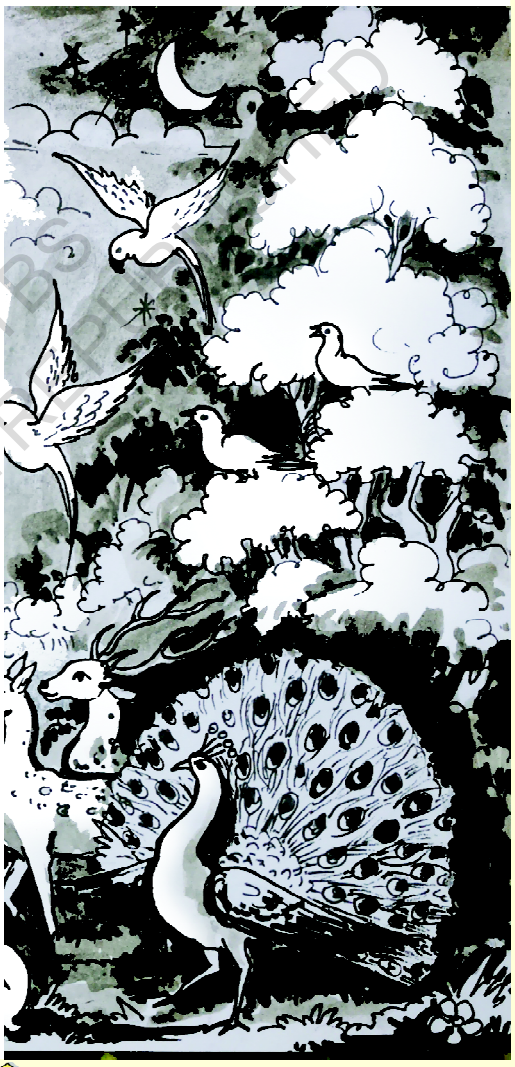
इस कविता में सेवा, त्याग, सहनशीलता, दृढ़ता आदि जीवन-मूल्यों को अपनाने का संदेश है।

सूरज-सा दमकूँ मैं
चंदा-सा चमकूँ मैं
झलमल-झलमल उज्ज्वल
तारों-सा दमकूँ मैं
मेरी अभिलाषा है।

फूलों-सा महकूँ मैं
विहगों-सा चहकूँ मैं
गुंजित कर वन-उपवन
कोयल-सा कुहकूँ मैं
मेरी अभिलाषा है।

नभ से निर्मलता लूँ
शशि से शीतलता लूँ
धरती से सहिष्णुता
पर्वत से दृढ़ता लूँ
मेरी अभिलाषा है।

***



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

कवि परिचय :

ग्राम रोहता, आगरा, उत्तर प्रदेश में जन्मे द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी जी (1916-1998) अपने जीवन-काल में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा 'बाल साहित्य पुरस्कार' और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'सरस्वती साधना सम्मान' से पुरस्कृत हुए।

इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं - 1) कविता संग्रह - फूल और शूल 2) खंडकाव्य- क्रौंचवध, सत्य की जीत 3) बाल काव्य कृतियाँ - वीर तुम बढ़े चलो, हम सब सुमन एक उपवन के, सोने की कुल्हाड़ी, काता और गाओ, सूरज-सा चमकूँ मैं, बाल गीतायन।

शब्दार्थ :

अभिलाषा - इच्छा, चंदा - चंद्रमा, चमकना - प्रकाशित होना, झलमल - चमक-दमक, उज्ज्वल - प्रकाशमान, दमकना - चमकना, महकना - खुशबूदार होना, विहग - पक्षी, चहक - कलरव, नभ - आकाश, कुहकना - पक्षी का बोलना, दृढ़ - मज़बूत।

अभ्यास

I एक वाक्य में उत्तर लिखो:

1. कवि तारों के समान क्या करना चाहते हैं?
2. कवि कैसे चहकना चाहते हैं?

II रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:

1. कवि शशि से _____ लेना चाहते हैं।
2. कवि पर्वत से _____ लेना चाहते हैं।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

III सही उत्तर चुनो :

1. कवि द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी सूरज-सा _____ चाहते हैं।
   1) दमकना 2) हँसना 3) दौड़ना 4) भागना

2. कवि द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी कोयल-सा _____ चाहते हैं।
   1) गाना 2) बोलना 3) कुहकना 4) उड़ना

3. कवि द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी फूलों-सा _____ चाहते हैं।
   1) महकना 2) बहना 3) उमड़ना 4) उतरना-चढ़ना

IV प्रथम पाँच पंक्तियाँ कंठस्थ करो।

V सीखो :

फूल	कुहकता है
सूरज	महकता है
विहग	दमकता है
कोयल	चमकता है
चंदा	चहकता है

VI समझो और पूरा करो:

मुस्काना	मुस्काता है	मुस्काती है
गाना	_____	_____
जाना	_____	_____
_____	_____	देती है
_____	हँसता है	_____

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

VII शब्दों का खेल : आओ, अंत्याक्षरी खेलें । अंतिम वर्ण से चार चार नए शब्दों का निर्माण करो:

नमूना : महक → कमरा, राम, महल, लड़का

1. जीवन → _____ _____ _____ _____
2. सुन्दर → _____ _____ _____ _____
3. सेवा → _____ _____ _____ _____
4. हम → _____ _____ _____ _____

VIII वर्तनी शुद्ध करो:

1. अभिलाषा _____
2. फुल _____
3. सुरज _____
4. परवत _____
5. नब _____

पाठ से आगे -

* दो दलों में बँटकर इस कविता का अभिनय के साथ वाचन करो।
* सूरज - चाँद जैसे तुम भी दूसरों की सेवा करना चाहते हो? कैसे? सोचो और कहो।



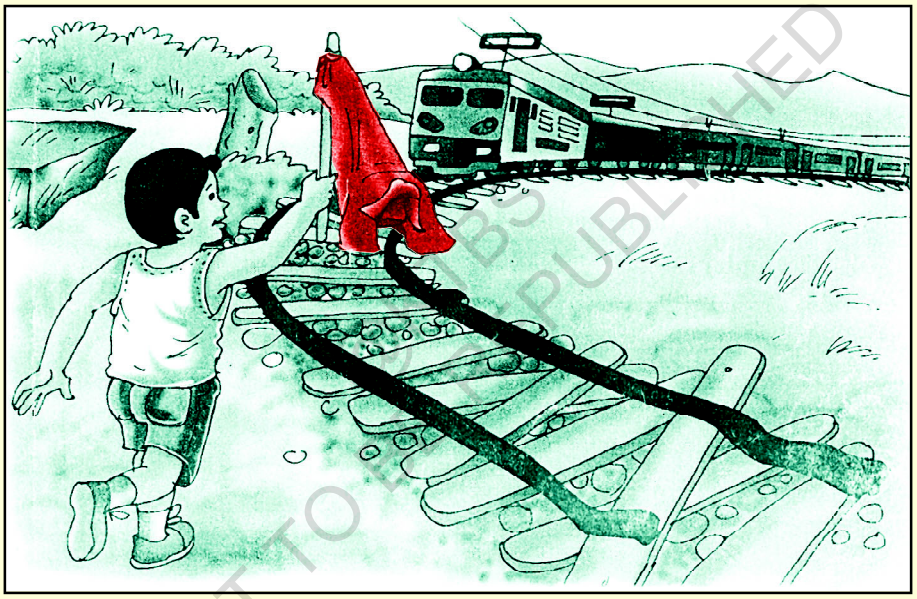
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ
11

समझदार राजू

U5P3U1

इस पाठ से बच्चे जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि मुसीबत के समय घबराना नहीं चाहिए और हिम्मत से काम लेना चाहिए।



NOT TO BE REPUBLISHED

राजू कक्षा-चार में पढ़ता था। वह बड़ा समझदार और बहादुर बच्चा था। उसके खेत के पास से रेल की पटरी गुज़रती थी। एक दिन वह अपने खेत से घर लौट रहा था। तभी उसकी नज़र एक टूटी हुई रेल की पटरी पर पड़ी। राजू घबरा गया और इधर-उधर देखने लगा ताकि वह किसी को इसके विषय में बता सके। लेकिन उसे आसपास कोई व्यक्ति नहीं दिखायी दिया। तभी उसे दूर से आती रेलगाड़ी दिखाई दी। वह चिंता में पड़ गया।

अगर वह गाड़ी रोकी नहीं गई तो अनेक लोगों की जानें चली जाएँगी। गाड़ी धीरे-धीरे उसी ओर बढ़ती चली आ रही थी।

अचानक उसको एक उपाय सूझा। उसने जल्दी से अपनी लाल कमीज़ उतारी और उसे एक डंडे से बाँधकर रेलगाड़ी की तरफ ज़ोर-ज़ोर से लहराने लगा। रेलगाड़ी के ड्राइवर ने उसे लाल कपड़ा लहराते हुए देख लिया। उसे किसी अनजान खतरे का अहसास हो गया और गाड़ी रोक दी।



अचानक गाड़ी रुकने से रेलगाड़ी के यात्री इधर-उधर देखने लगे। फिर जब उनको पता चला कि एक बच्चे की सूझ-बूझ से उनकी जान संकट में आने से बची है, तो सभी उसे शाबाशी देने लगे। बाद में गणतंत्र दिवस के अवसर पर उस बच्चे को बहादुरी के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कार दिया गया।

* * *

© CBSE NOT TO BE REPUBLISHED

शब्दार्थ :

समझदार-सयाना, होशियार; पटरी-रेलवे मार्ग, व्यक्ति-आदमी, अचानक- एकाएक, अवसर-मौका, बहादुर-साहसी, नज़र- निगाह, दृष्टि; चिंता-सोच, फिकर; रुकना- ठहरना, पुरस्कार-इनाम ।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखो:

1) राजू कौन-सी कक्षा में पढ़ता था?

2) घर आते हुए राजू ने खेत में क्या देखा ?

3) राजू ने रेलगाड़ी रोकने के लिए क्या उपाय किया?

4) प्रधानाचार्य ने राजू को पुरस्कार क्यों दिया?

5) इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?

II. सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (×) का चिह्न लगाओ :

1) राजू तीसरी कक्षा में पढ़ता था। ☐

2) राजू बहादुर और समझदार था । ☐

3) राजू की कमीज़ का रंग हरा था। ☐

4) रेलगाड़ी रुक गयी थी। ☐

5) राजू को प्रधानाचार्य ने पुरस्कर दिया। ☐

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

III. समानार्थक शब्दों का मिलान करो :

समझदार	निगाह
व्यक्ति	वीर
अवसर	आदमी
बहादुर	सयाना
नज़र	मौका

IV. विलोम शब्दों का मिलान करो :

समझदार	कायर
सुबह	चलना
आना	बेवकूफ
रुकना	शाम
बहादुर	जाना

V. खाली जगह भरो :

(लाल कमीज़, समझदार, बहादुर, गणतंत्र, रेलगाड़ी, सूझ-बूझ)

1) राजू बड़ा ____ और ____बच्चा था ।

2) उसे दूर से आती ____ दिखाई दी ।

3) वह अपनी ____ को लहराने लगा ।

© @KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

4) एक बच्चे की ____ से यात्रियों की जान संकट में आने से बच गयी।

5) ____ दिवस के अवसर पर राजू को पुरस्कार दिया गया ।

VI. लघु कविता को पूर्ण करो :

चलती है रेलगाड़ी पटरियों पर
बोलो, चलती है ____ और ____ सड़क पर
चलती है नाव और जहाज़ पानी पर
सोचकर बोलो, चलती है हवाई जहाज़ ____ पर ।

VII. वचन बदलो, वाक्य बदलो :

1) उनकी जान संकट में आने से बच गयी।

2) उसको एक उपाय सूझा ।

3) वह अपने खेत से घर लौट रहा था।

4) उसे आसपास कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दिया।

5) जब उनको पता चला तो वे शाबाशी देने लगे ।

VIII. भारत देश में गणतंत्र दिवस के अलावा और किन-किन दिनों को राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाया जाता है ?

एक सूची बनाकर लिखो :

नमूना : त्योहार	**दिनांक**
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

IX. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद करो :

अ) उसकी नज़र एक टूटी हुई रेल की पटरी पर पड़ी ।

आ) उसे आसपास कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दिया।

इ) गाड़ी धीरे-धीरे उसी ओर बढ़ती चली आ रही थी।

ई) उसे किसी अनजान खतरे का अहसास हो गया।

उ) रेलगाड़ी के यात्री इधर-उधर देखने लगे ।

ऊ) राजू को बहादुरी के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य ने पुरस्कार दिया।

X. नीचे लिखे शब्दों को अकारादि क्रम में लिखो :

उदाहरण : अनजान, अहसास,

संकट, गणतंत्र, रेलगाड़ी, अनजान, पुरस्कार

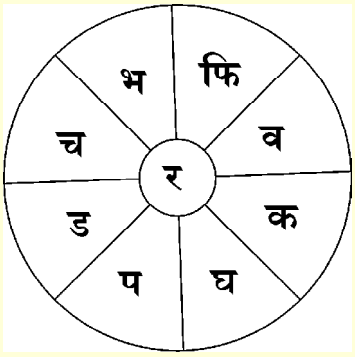
अहसास, कपड़ा, बहादुरी, हिम्मत, घबराना

मुसीबत, शाबाशी, समझदार, पटरी, कक्षा

व्यक्ति, लाल, उपाय, कमीज़, चिंता

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

XI. सोचो और लिखो:



उदाहरण : पर

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

भाषा-ज्ञान

लिंग

उदाहरण : माँ बाज़ार जा रही है।
लड़का पढ़ रहा है।
लड़की खेल रही है।
पिताजी फोन पर बात कर रहे हैं।

शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति अथवा पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

लिंग के दो रूप हैं

स्त्रीलिंग	:	पुल्लिंग
छात्रा	:	छात्र
आचार्या	:	आचार्य
पुत्री	:	पुत्र
सखी	:	सखा
घोड़ी	:	घोड़ा

विशेष सूचना
हिंदी भाषा में नपुंसक लिंग नहीं है।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ से आगे -

* तुमने या तुम्हारे दोस्तों ने भी राजु की तरह दूसरों की मदद की होगी। आपस में बातचीत करो और पाँच वाक्यों में लिखो ।
* ''समझदारी और बहादुरी से व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है'' - किसी भी ऐसे व्यक्ति का विवरण संग्रहीत करो, जिसके लिए उपर्युक्त वाक्य उचित हो ।



पाठ
12



मित्र के नाम पत्र

W8H6P4

कुमार,
घर संख्या 245
मदकरि मार्ग, चित्रदुर्ग
दिनांक 3.3.2017

प्रिय मित्र प्रतीक,

सप्रेम नमस्ते।

हम सब यहाँ सकुशल हैं। आशा करता हूँ कि तुम सब सानंद होंगे। मेरी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही है। तुम अपनी पढ़ाई के बारे में लिखो।

छुट्ठियों में, मैं माता-पिता के साथ मैसूरु गया था। वहाँ मैंने चामुंडी पहाड़, चिड़ियाघर, राजमहल, बृंदावन बगीचा, ललित महल आदि को देखा। तुमने कभी मैसूरु देखा है ? वह सचमुच सुंदर नगर है। तुम भी अपने माता-पिता के साथ मैसूरु जा सकते हो।

सबको मेरा प्रणाम कहना।

धन्यवाद।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
कुमार

प्रतीक डी.एस,
घर संख्या : 633,
कुवेम्पु मार्ग,
कलबुरगि।

* * *

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

शब्दार्थ :

आशा-उम्मीद, चिड़ियाघर - प्राणी संग्रहालय।

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1) किसने किसको पत्र लिखा?
2) चामुंडी पहाड़ कहाँ है?
3) मैसुरु कैसा नगर है?
4) कुमार कहाँ रहता है?
5) प्रतीक किस मार्ग पर रहता है?
6) कुमार मैसुरु कब गया था?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

1) कुमार किसके साथ मैसूरुगया था और उसने वहाँ क्या-क्या देखा?
2) कुमार ने प्रतीक को क्या सलाह दी?

III. किन वाहनों में टिकट लिया जाता है और तुमने किनमें सवारी की है। "✓" चिह्न लगाओ:

वाहन	टिकट लेना है	सवारी की है।
रिक्शा		
बस		
रेलगाड़ी		
साइकिल		
बैलगाड़ी		
स्कूटर		
कार		

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

IV. अन्य लिंग रूप लिखो :

1) माता _____
2) लड़का _____
3) देव _____
4) स्त्री _____

V. बहु वचन रूप लिखो :

1) बच्चा _____
2) कपड़ा _____
3) किताब _____
4) रास्ता _____
5) नदी _____

VI. मैसूरु के बारे में पाँच वाक्य लिखो :

_____
_____
_____
_____
_____

VII. परीक्षा में तुम प्रथम श्रेणी में पास हुए। इसको सूचित करते हुए मित्र के साथ किए जानेवाले वार्तालाप लिखो:

मैं - हैलो!
मित्र - _____
मैं - _____

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

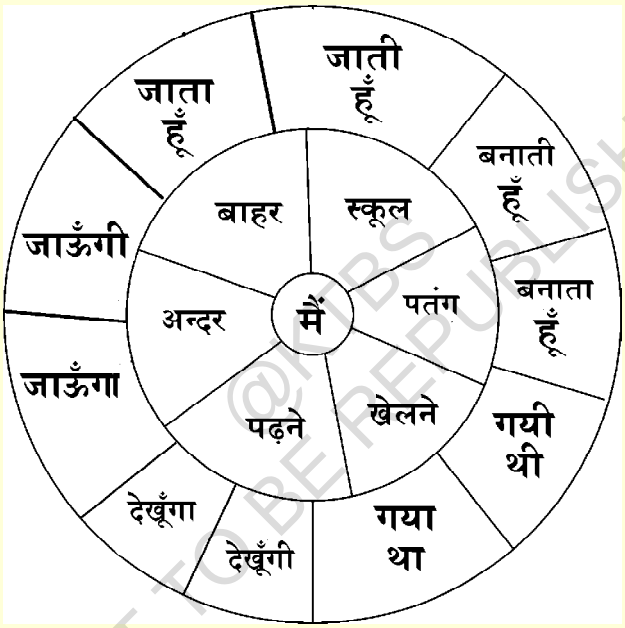
मित्र - _____

मैं - _____

मित्र - _____

मैं - _____

मित्र - _____



भाषा-ज्ञान

वाक्य बनाओ:

	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
उदा:	1) मैं स्कूल जाऊँगी।	1) मैं स्कूल जाऊँगा ।
	2) _____	2) _____

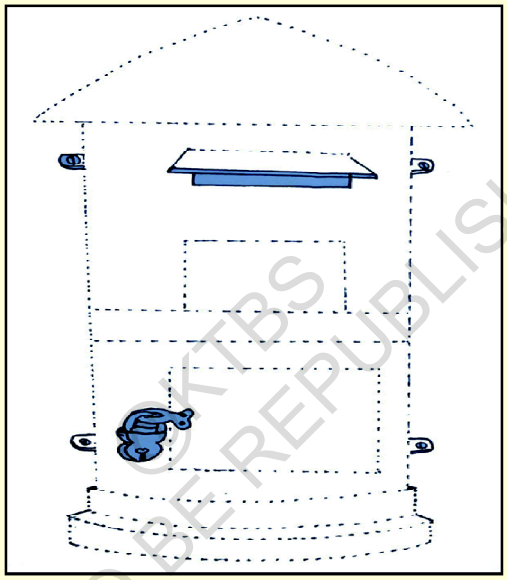
@KIRBS NOT TO BE REPUBLISHED

3) _____ 3) _____

4) _____ 4) _____

5) _____ 5) _____

6) _____ 6) _____



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

VIII बिन्दुओं को जोड़कर डाक-डिब्बे का चित्र बनाओ:

सूचना : पहले संदेश पहुँचाने के लिए कबूतरों का उपयोग किया जाता था।

पाठ से आगे -

* फूल और पत्तों को सुखाकर एक बधाई कार्ड तैयार करो और अपने प्रिय मित्र की वर्षगाँठ पर भेंट करो। (**आवश्यक सामग्री** - रंग बिरंगी पेंसिल, कार्ड बोर्ड, सूखे पत्ते, फूल और गोंद।)

पाठ 13



बोल उठी बिटिया

K4K3M2

इस कविता में बिटिया की तुतली बोली और मौज से मिट्टी खाने के प्रसंग का वर्णन है। बेटी की मंजुल मूर्ति देखकर खिल उठनेवाली माँ की ममता का सहज चित्रण भी है।

मैं बचपन को बुला रही थी,
बोल उठी बिटिया मेरी;
नंदनवन-सी फूल उठी,
यह छोटी-सी कुटिया मेरी।

'माँ ओ' कहकर बुला रही थी,
मिट्टी खाकर आयी थी;
कुछ मुँह में, कुछ लिये हाथ में,
मुझे दिखाने लाई थी।

पुलक रहे थे अंग दृगों में,
कौतूहल था छलक रहा;
मुँह पर भी आह्लाद लालिमा,
विजय गर्व था झलक रहा।

* * *

कवि परिचय :

सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की प्रसिद्ध कवयित्री हैं। आपका जन्म 1904 में हुआ और मृत्यु 1948 को एक कार दुर्घटना में हुई। आपकी काव्य पंक्तियाँ

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

'खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी' प्रसिद्ध हैं।'मुकुल' आपका कविता संग्रह है। इसके अलावा आपका कहानी संकलन और शिशु साहित्य भी प्रकाशित है।

शब्दार्थ :

कुटिया-कुटीर, 'माँ ओ'- माँ ओ माँ, कौतूहल-आश्चर्य, प्रबल इच्छा; छलकना-उमड़ना, आह्लाद-आनंद, हर्ष ; लालिमा-प्रसन्नता, लाल रंग; झलकना-प्रकट होना।

अभ्यास

I. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1) बिटिया क्या कहकर बुला रही थी?

2) बिटिया क्या खाकर आयी थी ?

3) बिटिया की आँखों में क्या छलक रहा था?

II. इस पद्य भाग को पूरा करो:

मैं बचपन को _____,

_____;

_____,

_____ कुटिया मेरी।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

III. उदाहरण के अनुसार लिखो:

1) वह दूध बेचती थी। — वे दूध बेचती थीं।

वह चित्र बनाती थी। — _____

2) मैं अंड़े लाता हूँ। — हम अंडे लाते हैं।

मैं पुस्तक पढ़ता हूँ । — _____

3) मैंने फल खाया। — हमने फल खाए।

मैंने नींबू खरीदा । — _____

4) तुम दूध पिओगे। — आप दूध पियेंगे।

तुम मिठाई खाओगे। — _____

IV. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्द चुनकर लिखो :

(गिराया, पेड़, बच्चे, जाते, पान)

उदाहरण : बाल - चाल

जान - _____

उठाया - _____

आते - _____

भेड़ - _____

सच्चे - _____

V. कविता कंठस्थ करो ।

NOT TO BE REPUBLISHED @KTBS

VI. कविता से तुकांत शब्दों को चुनकर लिखो।

उदाहरण : बचपन - नंदनवन

बिटिया - _____

आयी - _____

फूल - _____

छलक - _____

VII. विलोम शब्दों का मिलान करो:

वरदान	दु:ख
सुख	अभिशाप
बलवान	अपवित्र
धनी	शाम
जीवन	उतना
सुबह	मरण
इतना	निर्धन
पवित्र	बलहीन

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ से आगे -

* तुम्हारी माँ के साथ तुम क्या-क्या खेल खेलते हो-याद करो और लिखो।
* अपने मित्रों के साथ ऐसे अनुभवों की चर्चा करो।
* अभिनय के साथ इस कविता का वाचन करो।

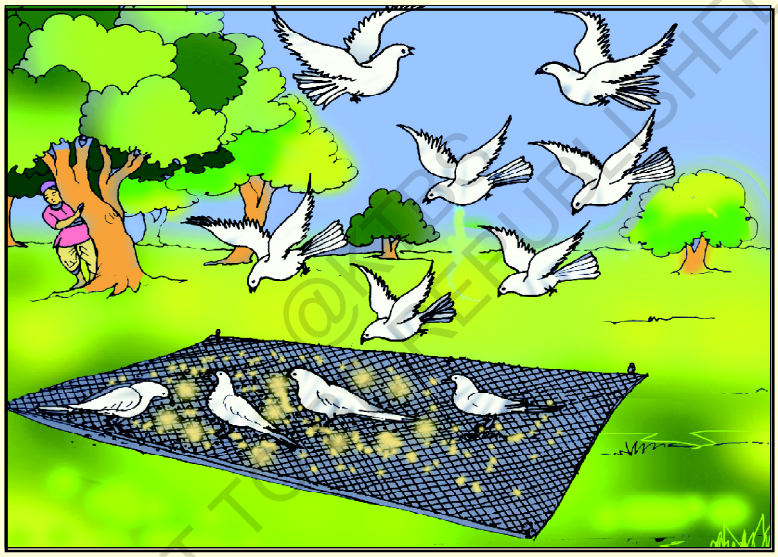
पाठ
14

अक्ल चली, बला टली



J9S9L2

यह एक नीतिबोधक कहानी है। कबूतरों के दाने खाने के लोभ में जाल में फँसना, मिलकर जाल को ही उठाकर उड़ना और चूहे की मदद से जाल को काटना आदि का रोचक वर्णन है। इसमें एकता से लाभ की सीख मिलती है।



जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत-से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में घूमते रहते थे। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते थे। वे पेड़ पर रातभर आराम करते थे।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की खोज में गए। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। कितने दाने बिखरे पड़े हैं। धरती पर कितने दाने बिखरे पड़े हैं !''

NOT TO BE REPUBLISHED

कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत-से दाने दिखाई पड़े। कबूतर धीरे-धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो अभी मत उतरो। जंगल में इतने दाने कहाँ से आए?''

एक दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आये हों। आओ, हम सब मिलकर दाने खाएँ।''

कबूतर धरती पर उतरने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। कबूतर दाने चुगने लगे। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेटभर दाने खाए। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे।

तभी एक कबूतर चिल्लाने लगा, ''उधर देखो, कोई आ रहा है। अरे! वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत, सब मिलकर ज़ोर लगाओ और एक साथ जाल को लेकर उड़ चलो।''



©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

सभी कबूतरों ने मिलकर ज़ोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा। कबूतरों ने और ज़ोर लगाया। जाल और ऊँचा उठ गया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे-आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे उड़ने लगे।

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक पेड़ की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''इस पेड़ के नीचे उतर जाओ। यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा।''

बूढ़ा कबूतर चूहे को बुला लाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

* * *

शब्दार्थ :

खोजना - ढूँढ़ना, बहेलिया - चिड़ीमार, पशुपक्षियों को पकड़नेवाला; घूमना - चारों ओर फिरना, घबराना - भयभीत होना, लौटना - वापस आना, एकता - मिलजुलकर रहना, मदद - सहायता, धरती - ज़मीन।

अभ्यास

I. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो:

1) पीपल का पेड़ कहाँ था ?
2) कबूतर दिनभर क्यों घूमते थे ?
3) वे रातभर कहाँ आराम करते थे ?
4) कबूतरों को धरती पर क्या दिखाई पड़ा ?
5) जाल किसने बिछाया था ?
6) क्या बूढ़ा कबूतर भी जाल में फँस गया ?
7) बूढ़े कबूतर का मित्र कौन था ?
8) कबूतरों की मदद किसने की ?
9) इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो:

1) कबूतर दाना खाने जाते तो बूढ़े कबूतर ने उनको क्यों रोका ?
2) कबूतर जाल में क्यों फँस गये ?
3) चूहे ने कबूतरों की मदद किस प्रकार की ?

III. अन्य वचन लिखो:

1) पेड़ - _____ 2) बात - _____
3) कबूतर - _____ 4) दाना - _____
5) चूहा - _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

IV. विलोम शब्द लिखो :

1) एकता x _____ 2) दिन x _____

3) दूर x _____ 4) उतरना x _____

5) आगे x _____

V. कन्नड़ या अंग्रेज़ी में अनुवाद करो:

1) जंगल में पीपल का एक पेड़ था।

_____

2) कबूतर धरती पर उतरने लगे।

_____

3) बूढ़ा कबूतर चूहे को बुला लाया।

_____

VI. समान अर्थवाले शब्दों को पहचानकर उदाहरण के अनुसार लकीर खींचो :

खोजना	-	पक्षी
मित्र		सहायता
मदद	-	ढूँढ़ना
धरती	-	खाना
भोजन	-	भूमि
चिड़िया	-	दोस्त

VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से खाली जगहों को भरो :

(बहेलिया, डॉक्टर, धोबी, दर्जी, बढ़ई)

उदा : इलाज करनेवाला डॉक्टर।

1) कपड़े सीनेवाला _____ ।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

2) लकड़ी की चीज़ें बनानेवाला _____ ।

3) चिड़िया पकड़नेवाला _____ ।

4) कपड़े धोनेवाला _____ ।

VIII. बच्चो, ज़रा बताओ मैं कौन हूँ ?

1) मैं मधुर गाती हूँ _____



2) मैं सुन्दर नाचता हूँ _____



3) मैं शांति का प्रतीक हूँ _____



4) मैं पानी में तैरता हूँ _____



5) मेरी नाक लाल है _____



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

IX. नमूने के अनुसार खाली जगह भरो :

नमूना : कबूतर दाना चुग रहे हैं।
कबूतर दाना चुगने लगे। (चुगना)

1) कबूतर धरती पर _____।
कबूतर धरती पर _____। (उतरना)

2) चूहे जाल _____।
चूहे जाल _____ (काटना)।

3) कबूतर जाल लेकर _____ ।
कबूतर जाल लेकर _____ (उड़ना)।

भाषा-ज्ञान

पाठ के आधार पर, तालिका की सहायता से वाक्य बनाओ :

1) कबूतर	चूहे को	नहीं गया
2) बूढ़ा कबूतर	भोजन की	काट दिया
3) उसने	जाल	धन्यवाद दिया
4) चूहे ने	उनके साथ	तरफ़ इशारा किया
5) उन्होंने	एक पेड़ की	खोज में गए

नमूना : कबूतर भोजन की खोज में गए।

1) _____ ।
2) _____ ।
3) _____ ।
4) _____ ।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

वचन

उदाहरण

*	घोड़ा दौड़ता है।	घोड़े दौड़ते हैं ।
*	मैं चाय पी रही हूँ।	हम चाय पी रही हैं
*	बच्चा सो रहा है।	बच्चे सो रहे हैं।

शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे **वचन** कहते हैं।

वचन के दो भेद हैं

एकवचन		**बहुवचन**
पत्ता हिल रहा है।	:	पत्ते हिल रहे हैं।
दादी कहानी सुना रही है।	:	दादी कहानियाँ सुना रही हैं।
लड़की गाना गा रही है।	:	लड़कियाँ गाना गा रही हैं।
कुत्ता भौंकता है।	:	कुत्ते भौंकते हैं।

पाठ से आगे -

''एकता में बल है'' - इस नीति को बतानेवाली अन्य कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।



©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ
15



गिनती 71 - 100

Y1Q7F6

71	७१	इकहत्तर	86	८६	छियासी
72	७२	बहत्तर	87	८७	सत्तासी
73	७३	तिहत्तर	88	८८	अठासी
74	७४	चौहत्तर	89	८९	नवासी
75	७५	पचहत्तर	90	९०	नब्बे
76	७६	छिहत्तर	91	९१	इक्यानबे
77	७७	सतहत्तर	92	९२	बानबे
78	७८	अठहत्तर	93	९३	तिरानबे
79	७९	उन्नासी	94	९४	चौरानबे
80	८०	अस्सी	95	९५	पंचानबे
81	८१	इक्यासी	96	९६	छियानबे
82	८२	बयासी	97	९७	सत्तानबे
83	८३	तिरासी	98	९८	अट्ठानबे
84	८४	चौरासी	99	९९	निन्यानबे
85	८५	पचासी	100	१००	सौ

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अभ्यास

ध्यान से पढ़ो और याद रखो:

100	-	सौ
1000	-	हज़ार
10,000	-	दस हज़ार
1,00,000	-	लाख
10,00,000	-	दस लाख
1,00,00,000	-	करोड़

नमूने के अनुसार खाली जगहों को भरो:

नमूना : 81	८१	**इक्यासी**
76	_____	छिहत्तर
85	८५	_____
_____	_____	निन्यानबे
_____	८७	_____
79	_____	_____
98	_____	अट्ठानबे
100	१००	_____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

क्रम सूचक संख्याएँ :

पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँचवाँ, छठा, सातवाँ, आठवाँ, नवाँ, दसवाँ।

भिन्नार्थक संख्याएँ :

एक चौथाई (पाव)	¼	पौने एक	1¾
आधा	½	सवा दो	2¼
पौना	¾	ढाई (अढ़ाई)	2½
सवा	1¼	पौने दो	2¾
डेढ़	1½	सवा तीन	3¼
		साढ़े तीन	3½



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ
16



बूँद-बूँद से सागर

- केदारनाथ कोमल

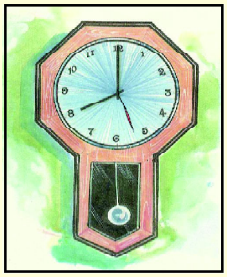
F6A6A2

इस कविता के द्वारा छात्र सीख सकते हैं कि छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से बड़े-बड़े सार्थक काम बनते हैं, जिससे धरती पर सुख-संतोष छा जाता है।

बूँद-बूँद के मिलने से
बन जाता है सागर,
सूत-सूत के मिलने से
बन जाती है चादर।



मिनट-मिनट ही तो मिलकर
बन जाता है साल,
तन-मन से तुम डटे रहो
हल होंगे सभी सवाल।



पैसा-पैसा जोड़ो तो
बन जाओगे धनवान,
थोड़ा-थोड़ा चलकर ही तो
देख सकोगे हिन्दुस्तान।



अच्छे-अच्छे काम करो
और बातें प्यारी-प्यारी,
देश हमारा झूम उठेगा
नाच उठेगी धरती सारी।

* * *

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

कवि परिचय :

प्रस्तुत कविता के कवि हैं श्री केदारनाथ कोमल। आप हिन्दी के समकालीन कवियों में प्रसिद्ध हैं। 'बूँद-बूँद से सागर' कविता ''आशा की किरण'' कविता संग्रह से ली गयी है।

इस कविता में देश की एकता को ध्यान में रखा गया है। एकता में बल है। यही कविता का आशय है।

शब्दार्थ :

सागर - समुद्र, सूत - रुई का धागा, धरती - भूमि, डटे रहना-अटल रहना।

अभ्यास

I. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो:

1) सागर कैसे बनता है ?
2) हम धनवान कैसे बन सकते हैं ?
3) साल कैसे बनता है ?
4) हिन्दुस्तान की यात्रा कैसे करोगे ?

II. इस पद्य भाग को पूर्ण करो:

बूँद-बूँद के _____

_____

_____

_____ चादर।

NOT TO BE REPUBLISHED ©KTBS

III. जोड़कर लिखो :

अ	आ
1) बूँद-बूँद के मिलने से	बन जाओगे धनवान
2) मिनट-मिनट ही मिलकर	और बातें प्यारी-प्यारी
3) पैसा-पैसा जोड़ो तो	बन जाता है सागर
4) अच्छे-अच्छे काम करो	बन जाता है साल

IV. सही वर्णों से खाली जगह भरो:

पानी	**ज**	**ल**		
सागर	स		द्र	
हिन्दुस्तान	भा	र		
धरती		मि		
आकाश	आ			न

V. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो :

1) _____ पानी में रहती है।
(मछली, कोयल, बैल)

2) एकता में _____ है।
(फल, बल, जल)

3) हमारे राष्ट्रीय झंडे में _____ रंग हैं।
(दो, आठ, तीन)

NOT TO BE REPUBLISHED © BKMS

VI. इस कविता की प्रथम आठ पंक्तियाँ कंठस्थ करो।

VII. पानी में और पानी के बाहर रहनेवाले प्राणियों का वर्गीकरण करो :

1) मछली
2) बाघ
3) कछुआ
4) सियार
5) मेंढ़क
6) मगरमच्छ
7) हाथी
8) शेर
9) बिल्ली
10) केकड़ा
11) गाय
12) ऑक्टोपस (अष्टपदि)

पानी में रहनेवाले प्राणी

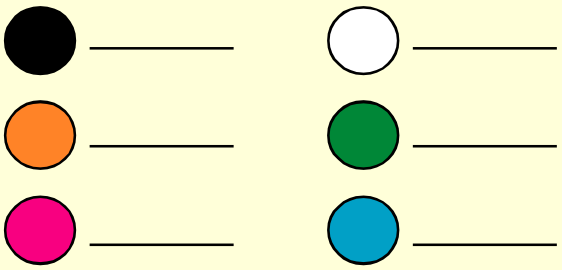
1) _____ 4) _____
2) _____ 5) _____
3) _____ 6) _____

पानी के बाहर रहनेवाले प्राणी

1) _____ 4) _____
2) _____ 5) _____
3) _____ 6) _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

VIII. इन रंगों को पहचानो और उनका नाम लिखो:



IX. नमूने के अनुसार लिखो:

बोल	**+ ई**	**= बोली**		**सफल**	**+ ता**	**= सफलता**	
अभिमान	+ ई	=		नम्र	+ ता	=	
उपकार	+ ई	=		सुंदर	+ ता	=	
ज्ञान	+ ई	=		दीन	+ ता	=	
सावधान	+ ई	=		संपन्न	+ ता	=	
जवान	+ ई	=		सम	+ ता	=	

X. नमूने के अनुसार मिलान करो:

भेड़	चराने	वाला	रसोइया
गाय	चराने	वाला	किसान
खेती	करने	वाला	ग्वाला
कपड़ा	सीने	वाला	गड़रिया
रसोई	बनाने	वाला	दर्जी

पाठ से आगे -

इस कविता का भाव कक्षा में गद्य रूप में बताओ।

NOT TO BE REPUBLISHED @KTBS

पाठ 17



सिकंदर और पुरूरवा

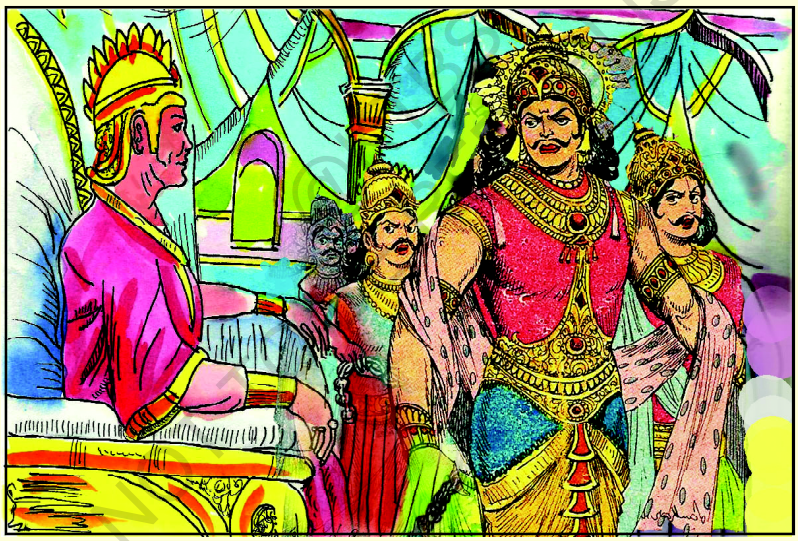
(एकांकी)

E9X1Y6

-संकलित

यह एक ऐतिहासिक एकांकी है। इसमें पुरुराजा की वीरता, देशभक्ति एवं एकता को चित्रित किया गया है। इस पाठ से बच्चे राष्ट्रप्रेम की भावना अपना सकते हैं।

(स्थान-सिकंदर की सेना का शिविर। यवन सेनापति, बंदी पुरुराजा के साथ प्रवेश करता है।)



सेनापति - सम्राट की जय हो !

पुरुराजा - मैं भारतवीर, यवनराजा का अभिवादन करता हूँ।

सिकंदर - अहो, बन्दी होने पर भी अपने को वीर मानते हो पुरुराजा।

पुरुराजा - यवनराजा, सिंह तो सिंह ही है, चाहे वन में हो या पिंजरे में। जय या पराजय, हर स्थिति में वीर वीर ही होता है।

सिकंदर - (व्यंग्य की हँसी के साथ) मेरी मैत्री-संधि को अस्वीकार करने से तुम्हारा क्या तात्पर्य है पुरुराजा?

पुरुराजा - अपने राज्य की रक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा। तुम मित्रता द्वारा भारत को तोड़कर भारत जीतना चाहते हो।

सिकंदर - तुम्हारा वचन सत्य के विरुद्ध है। यहाँ राजा लोग आपस में द्वेष करते हैं।

पुरुराजा - यह आपका विचार होगा। बाहरी शक्ति का हस्तक्षेप किसी भी भारतीय के लिए असहनीय है, यवनराजा ! भारत की एकता सुदृढ़ है।

सिकंदर - मतलब, मेरी भारत-विजय कठिन है ?

पुरुराजा - कठिन ही नहीं, असंभव है।

सिकंदर - (क्रोध के साथ) रे दम्भी! क्या तुम नहीं जानते कि इस समय तुम विश्व-विजयी सिकंदर के सामने हो।



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पुरुराजा - जानता हूँ, किन्तु सत्य तो सत्य ही है यवनराजा ! हम भारतीयों के लिए जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

सिकंदर - (कुछ सोचकर) पुरुराजा, तुम हमारे बन्दी हो। बोलो, तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए?

पुरुराजा - जो एक वीर दूसरे वीर के प्रति करता है।

सिकंदर - (पुरूरवा के वीर भाव से हर्षित होकर) ठीक है वीर ! निश्चय ही तुम वीर हो। धन्य है तुम्हारी मातृभूमि। (सेनापति को देखकर) सेनापति !

सेनापति - सम्राट !

सिकंदर - वीर पुरुराजा की बेड़ियाँ खोल दो। वीर पुरुराजा ! आज से हम मित्र हैं।

(सिकंदर पुरुराजा का आलिंगन करता है।)

* * *

शब्दार्थ :

शिविर - सेना का पड़ाव, अभिवादन - नमस्कार, प्रणाम ; पराजय - हार, मैत्री - दोस्ती, अस्वीकार - तिरस्कार, असंभव - असाध्य, नामुमकिन; व्यवहार-बर्ताव, बेड़ियाँ-जंजीर, हथकड़ियाँ ; सम्राट - चक्रवर्ती, सुदृढ़-सबल, मज़बूत; यवन - यूनान देश के निवासी, दंभी-पाखंडी, घमंडी; जननी-माता, स्वर्गादपि गरीयसी - स्वर्ग से श्रेष्ठ।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

टिप्पणी: 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' - जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।

अभ्यास

I. इन प्रश्नों के उत्तर दो : (मौखिक)

1) शिविर में कौन प्रवेश करता है?
2) पुरुराजा क्या कहकर सिकंदर का अभिवादन करता है?
3) पुरुराजा सिकंदर की मैत्री-संधि को क्यों अस्वीकार करता है?
4) सिकंदर भारत को कैसे जीतना चाहता था?
5) सिंकदर के लिए किस पर विजय पाना कठिन था?
6) किसके लिए भारत-विजय कठिन है?

II. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1) यवन सेनापति कहाँ प्रवेश करता है?
2) भारतवीर किसका अभिवादन करता है?
3) बन्दी होने पर भी अपने को कौन वीर मानता है?
4) किस स्थिति में भी वीर, वीर ही होता है?
5) सिकंदर की मैत्री-संधि को कौन अस्वीकार करता है?
6) भारत को तोड़कर उसे कौन जीतना चाहता था?
7) भारत की एकता कैसी है?
8) कौन पुरुराजा का मित्र बना?

III. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करो:

सीकंदर _____ पूरुराजा _____

भारात _____ दंबी _____

बिजय _____ टीक _____

© SCERT NOT TO BE REPUBLISHED

IV. जोड़कर लिखो:

1) पुरुराजा गरीयसी _____

2) सिकंदर सेनापति _____

3) यवन भारतवीर _____

4) स्वर्गादपि विश्व-विजयी _____

V. वाक्य पूरा करो:

1) सिंह तो _____ ही है।

2) हर स्थिति में वीर _____ ही होता है।

3) तुम _____ द्वारा जीतना चाहते हो।

4) भारत की एकता _____ है।

5) आज से हम _____ हैं।

VI. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद करो:

1) मैं भारतवीर, अभिवादन करता हूँ।

_____

2) भारत की एकता सुदृढ़ है।

_____

3) विजय पाना कठिन ही नहीं, असंभव है।

_____

4) तुम्हारा वचन सत्य के विरुद्ध है।

_____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

भाषा-ज्ञान

VII. समानार्थक शब्द लिखो:

उदाहरण : बलवान - ताकतवर

अधिक _____ शरीर _____

फायदा _____ सर्दी _____

नमस्कार _____ विचार _____

VIII. अन्य लिंग रूप लिखो:

सिंह _____ राजा _____

सम्राट _____ जननी _____

आदमी _____ नौकर _____

IX. विलोम शब्द लिखो:

सत्य x _____ विजय x _____

मित्र x _____ कठिन x _____

स्वर्ग x _____ बन्धन x _____

X. प्रेरणार्थक शब्द लिखो:

उदाहरण : चलना, चलाना

करना _____ बनना _____

पढ़ना _____ दौड़ना _____

चरना _____ उठना _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

XI. चार विशेषण शब्द लिखो:

उदाहरण : सुंदर

_____

_____

_____

_____

XII. अन्य वचन रूप लिखो:

बेड़ी _____ देश _____

सेना _____ पिंजरा _____

माला _____ वस्तु _____

पाठ से आगे -

* इस एकांकी का अभिनय कक्षा में करो।
* कक्षा में रानी चेन्नम्मा और थ्याकरे के बीच का वार्तालाप प्रस्तुत करो।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पूरक वचन

वचन

-बसवण्णा

(1)

चोरी न करना,
हत्या न करना
झूठ कभी न बोलना भैया ।
क्रोध न करना, घृणा न करना
अपना बखान कभी न करना
दूसरों की निंदा, कभी न करना ।
अंतर की शुद्धि यही है भैया
बाहर की भी शुद्धि यही ।
रिझाने की रीति यही है
हमारे कूडल संगमदेव को ।

(2)

पानी देखते ही डुबकी लगाते हैं
पेड़ देखते ही परिक्रमा करते हैं
सूखते जल को सूखते पेढ़ को
चाहनेवाले, आपको कैसे जानेंगे?
कूडल संगमदेव ।

* * *

© DSERT NOT TO BE REPUBLISHED

बसवण्णा कर्नाटक के बारहवीं शती के संत और शरण थे। उनके वचन भक्तिपरक ही नहीं, सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त होने का संदेश भी देते हैं। उनके उपदेश सबके लिए हैं और सब के उद्धार के लिए हैं।

पहले वचन में चोरी न करना, हत्या न करना, झूठ न बोलना, क्रोध, घृणा, अपनी प्रशंसा, दूसरों की निंदा आदि न करना - यह सीख मिलती है। बसवण्णा कहते हैं यही अंतरंग की शुद्धि है और बाहर की शुद्धि भी यही। यही भगवान से प्रेम करने का मार्ग है।

दूसरे वचन में बसवण्णा कहते हैं कि जो लोग नदी देखते ही डुबकी लगाकर स्नान करनेवाले हैं और पेड़ देखते ही प्रदक्षिणा करते हैं, वे भक्त हैं, वे आपको कैसे समझेंगे कूडल संगमदेव। सच्ची भक्ति में दिखावे की आवश्यकता नहीं।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1) प्रथम वचन में बसवण्णा जी क्या-क्या न करने के बारे में कहते हैं?
2) बसवण्णा जी के वचन किस प्रकार का संदेश देते हैं ?
3) बसवण्णा जी किनको मूढ़ भक्त कहते हैं ?

